आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 07.09.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- मत्स्य पालन मंत्रालय की बैठक में भविष्य के लिए मजबूत नीतियों के निर्माण पर हुआ मंथन–वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए उठाए जाएंगे महत्वपूर्ण कदम।
- कैम्पस टैंक का शुभारंभ करने के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा– महिला नेतृत्व वाले बढ़ते स्टार्टअप नवाचार में बड़ा परिवर्तन है।
- विज्ञान और संस्कृति की दृष्टि से खगोलशास्त्रियों और नागरिकों के लिए आज रात एक अद्भुत अवसर, भारत में दिखेगा चन्द्र ग्रहण।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कल से उन्नीस सितम्बर तक सर्किट बैठक का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने एक महत्वपूर्ण बैठक में देश के मत्स्य पालन क्षेत्र के सुधार के लिए रोडमैप की घोषणा की। उन्होंने उत्पादन, उत्पादकता और निर्यात बढ़ाने के लिए हितधारकों से सुझाव मांगे और अंतर्देशीय राज्यों की अप्रयुक्त निर्यात क्षमता का उपयोग करने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीएसटी सुधारों से क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उन्होंने मत्स्य उत्पादकता को बढ़ाने, ट्रेसेबिलिटी और प्रसंस्करण तकनीक में सुधार पर बल दिया। इस प्रक्रिया में निजी निवेश और पीपीपी मॉडल को भी बढ़ावा मिलेगा। बैठक में निर्यात बाजार की विविधता, कोल्ड चेन बुनियादी ढांचे और किसानों के लिए बेहतर ऋण सुविधा पर चर्चा की गई। इस रोडमैप से देशभर में मत्स्य पालन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है।

<><><><><><><><>

वस्तु और सेवा कर यानी जीएसटी की दरों में हाल ही में किए गए सुधार इस महीने की बाईस तारीख़ से लागू होगे। नई जीएसटी दरों का चिकित्सा क्षेत्र पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। शल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा सहित सभी चिकित्सा उपकरणों पर जीएसटी की दरें घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई हैं। पट्टियों, डायग्नॉस्टिक किट, ग्लूकोमीटर और अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों पर भी जीएसटी दर बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई है। इसके अलावा, तैंतीस जीवन रक्षक दवाओं पर कोई जीएसटी लागू नहीं होगा। कैंसर और गंभीर बीमारियों से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण

दवाओं को भी जीएसटी से मुक्त रखा गया है। एम्बुलेंस और एम्बुलेंस की फिटिंग, फर्नीचर और चिकित्सा सहायक उपकरणों वाले मोटर वाहनों पर अब अट्ठारह प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

<><><><><><><>

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में आयोजित कैम्पस टैंक के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत की भविष्य की आर्थिक वृद्धि अब स्टार्टअप–लिंक्ड इकोनॉमी पर आधारित होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार किया है, लेकिन स्टार्टअप्स की सफलता के लिए उद्योगों का सहयोग और निवेश जरूरी है। मंत्री ने बायोटेक्नोलॉजी, कृषि और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि उद्योग–स्टार्टअप साझेदारी से ठोस नतीजे मिलते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अब भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम छोटे शहरों तक फैल चुका है। इसके अलावा, जितेंद्र सिंह ने भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में इक्यासी से उनतालीस तक की रैंकिंग में हुई वृद्धि और महिला नेतृत्व वाली स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि का भी उल्लेख किया।

<><><><><><><>

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि संडे ऑन साईकिल अब एक आन्दोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि फिट रहने और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए पचास से अधिक सांसदों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और स्वदेशी का संदेश लोगों तक पहुंचाया। इस कार्यक्रम का मूल विषय है– गर्व से स्वदेशी। श्री मांडविया ने बताया कि इस कार्यक्रम को देश में आठ हजार से अधिक स्थानों पर आयोजित किया गया। उन्होंने यह जानकारी भी दी कि साइकिल पर जीएसटी अट्ठारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

<><><><><><><>

आज पूर्ण चंद्र ग्रहण है। यह ग्रहण पूरे भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ेगा। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु के साथ ही एशिया, ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका और यूरोप के कुछ हिस्सों में भी यह पूरी तरह नजर आयेगा। चंद्रग्रहण आज रात आठ बजकर अठावन मिनट से शुरू होकर कल तड़के सुबह दो बजकर पच्चीस मिनट पर समाप्त होगा। एक दुर्लभ खगोलीय घटना एक दशक में सबसे लंबे ग्रहणों में से एक होगी। इसकी अवधि बयासी मिनट की होगी और चंद्र ग्रहण पाँच घंटे से अधिक समय तक रहेगा। इस अवसर पर, श्री विजयपुरम स्थित विज्ञान केंद्र की ओर से एक मल्टीमीडिया प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। छात्र

और आम जनता दूरबीन के माध्यम से ग्रहण का सजीव दृश्य रात्रि साढ़े नौ बजे से साढ़े बारह बजे तक देख सकते हैं। कार्यक्रम मौसम पर निर्भर करेगा।

<><><><><><><><>

आईएनएचएस धन्वंतरी की मल्टी स्पेशिलिटी टीम ने दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में तीन सौ अस्सी मरीज़ों की जाँच की। टीम ने मरीज़ों को उपचार किया और उच्च स्तरीय सर्जरी और ऑपरेशन के लिए श्री विजयपुरम रेफर किया। यह शिविर स्थानीय समुदाय के लिए एक बड़ी राहत साबित हुआ। इसके अलावा कैंपबेल बे बाज़ार में पंचायत समिति द्वारा नया बस स्टैंड तैयार किया गया है। तीन लाख तीस हज़ार की लागत से बने इस स्टैंड से यात्रियों को बरसात और गर्मी दोनों मौसम में सुविधा मिलेगी। यह परियोजना स्थानीय जनता के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह में कल से उन्नीस सितम्बर तक सर्किट बैठक का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता पीठ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के उप रजिस्ट्रार ने कहा है कि इस दौरान नए आवेदन भी स्वीकार किए जाएँगे। विभागाध्यक्षों से अपने नोडल अधिकारियों को सुनवाई के दिन संबंधित दस्तावेजों के साथ न्यायाधिकरण में उपस्थित रहने का निर्देश देने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला प्रशासन खेल एवं युवा मामले विभाग के सहयोग से उन्नीस सितम्बर से इक्कीस सितम्बर तक जिला एथलेटिक मीट का आयोजन करने जा रहा है। नेताजी स्टेडियम में आयोजित होने वाले एथलेटिक मीट में स्कूली छात्रों और अट्ठारह वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ओपन श्रेणी के अंतर्गत पुरुष एवं महिला खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी अपना नाम पन्द्रह सितम्बर तक कार्यक्रम आयोजकों के पास सभी कार्य दिवसों में सुबह साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े चार बजे तक पंजीकृत करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए स्कूली छात्रों को स्कूल का पहचान पत्र व अन्य प्रतिभागियों से आधार कार्ड साथ लाने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

टैगोर गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन के ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सचिन शिंदे कमिश्नर–कम–सेक्रेटरी ने शिक्षकों और खेलों में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। समारोह में करीब पैंतालीस शिक्षकों को 100

प्रतिशत परिणाम देने के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए निरंतर समर्पण से कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संगीता चंद और अर्चना सिंह, उपनिदेशक (योजना) ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त अर्जुन शर्मा की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्षों, सचिवों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन कर दुर्गा पूजा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी पूजा पंडालों और विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किए जाने, पूजा समितियों से मूर्तियों की ऊँचाई सोलह फीट से कम रखने, हानिकारक रसायनों का उपयोग न करने का निर्देश दिया गया। पंडालों को इंसुलेटेड वायरिंग, उचित अर्थिंग सुनिश्चित करने और विद्युत विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने को कहा गया है। उत्सव शुरू होने से पहले पुलिस, अग्निशमन विभाग, विद्युत विभाग और राजस्व अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। लाउडस्पीकरों का उपयोग रात 10 बजे के बाद प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा, सभी पूजा समितियों को मूर्ति विसर्जन पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा गया है। अनुमति के लिए आवेदन जमा करने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष में एकल–खिड़की निकासी प्रणाली काम करेगी और पुलिस, अग्निशमन, विद्युत और राजस्व विभागों के प्रतिनिधियों वाला एक सुविधा काउंटर अनुमति जारी करने में सहायता करेगा।

<><><><><><><>